







Farewell to Mrs. Shyamala Gopinath: A Remarkable Journey of Visionary Leadership at IIM Raipur

The Indian Institute of Management (IIM) Raipur takes immense pride in recognizing the exceptional contributions of Mrs. Shyamala Gopinath, its esteemed Chairperson of the Institute's Board of Governors, for her visionary leadership and unwavering dedication to the institution over the past seven years. Under her stewardship, IIM Raipur has witnessed remarkable growth and achievements, solidifying its position as a premier management institute in India.

A shining testament to the institution's pursuit of excellence, during her tenure, IIM Raipur has achieved an impressive ranking of 11 in the National Institutional Ranking Framework (NIRF), and the number of graduating Post Graduate Programs (PGPs) has reached a remarkable milestone of 255. Emphasizing the importance of holistic education, IIM Raipur has expanded its degree awarding programs to four, providing students with diverse academic opportunities. Furthermore, the institute's faculty strength has increased to 53, comprising accomplished professionals and esteemed educators who play a pivotal role in shaping the minds of the next generation of leaders.

Prof. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur, said, "Your contribution to building the Indian Institute of Management Raipur will be written in Golden Letters. While numerical metrics never convey the intangibles created by you – yet sharing a few facts below to showcase your contribution in the past 7 years:

	FY2016	FY2023
NIRF Rank	18	11
No. of Graduating PGPs (i.e., MBAs)	113	255
No. of Degree Awarding Programmes	2	4
No. of Faculty	24	53



Thanks a tonne to you and your stewardship. On behalf of the IIM Raipur community, let me assure you that we will keep the momentum. We'll consolidate on the fantastic foundations and bricks laid."

As IIM Raipur bids a fond farewell to Mrs. Shyamala Gopinath, the institution welcomes its new Chairperson, Shri Puneet Dalmia, Managing Director of Dalmia Bharat. His invaluable insights and leadership will undoubtedly steer the institute towards new horizons of success, building upon the strong foundations established over the years.







श्रीमती श्यामला गोपीनाथ को विदाई: भा.प्र.सं रायपुर में दृष्टिपूर्ण नेतृत्व की एक अद्वितीय यात्रा

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं) रायपुर गर्व से स्वीकार करता है कि मान्यता प्राप्त चेयरपर्सन, श्रीमती श्यामला गोपिनाथ, ने पिछले सात वर्षों से संसथान के गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में इस संस्थान के लिए दिष्टपूर्ण नेतृत्व और अटूट समर्पण का उच्च मूल्यांकन किया है। उनके मार्गदर्शन में, भा.प्र.सं रायपुर ने अद्भुत विकास और उपलब्धियों की गवाही दी है, जिससे यह भारत में प्रमुख प्रबंध संस्थान के रूप में मजबूत हुआ है।

उत्कृष्टता की प्रतीक चमकदार साक्षी, श्रीमती श्यामला गोपिनाथ के कार्यकाल में, भा.प्र.सं. रायपुर ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (ऍन आई आर एफ) में 11 वा स्थान प्राप्त किया है और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों (पीजीपी) की संख्या ने 255 के विलक्षण आयाम तक पहुंच गई है। पूर्णतावादी शिक्षा के महत्व को बल देते हुए, भा.प्र.सं रायपुर ने अपने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की संख्या को चार तक विस्तारित किया है, जिससे छात्रों को विविध शैक्षणिक अवसर प्रदान किए जाते हैं। इसके अलावा, संस्थान के शिक्षकों की संख्या 53 तक बढ़ गई है, जिनमें सफल पेशेवर और मान्य शिक्षाविद् शामिल हैं, जो आगामी नेताओं के मस्तिष्क को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक, प्रो. राम कुमार काकानी ने कहा, "आपका योगदान भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर के निर्माण में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। जबिक संख्यात्मक मापदंड कभी आपके द्वारा बनाई गई अव्याप्तियों को प्रकट नहीं करते हैं - फिर भी, पिछले 7 वर्षों में आपके योगदान को प्रदर्शित करने के लिए कुछ तथ्य साझा कर रहे हैं:"

	वितिय वर्ष 2016	वित्तिय वर्ष2023
ऍन आई आर एफ रैंक	18	11
स्नातकोत्तर प्रोग्रामों की संख्या (यानी एमबीए)	113	255
पदवी प्रदान कार्यक्रमों की संख्या	2	4
शिक्षकों की संख्या	24	53







आप और आपके नेतृत्व के लिए ढेर सारा धन्यवाद। भा.प्र.सं. रायपुर समुदाय की ओर से, मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि हम यह संचालन जारी रखेंगे। हम इस अद्भुत आधार और नींव पर मजबूती से टिके रहेंगे।

जबिक भा.प्र.सं. रायपुर श्रीमती श्यामला गोपिनाथ के सदैव यादगार पलों को याद करते हुए विदाई देता है, उस संस्थान का स्वागत अपने नए चेयरपर्सन, श्री पुनीत डालिमया, डालिमया भारत के प्रबंध निदेशक, के साथ करता है। उनके मूल्यवान दर्शन और नेतृत्व से निस्संदेह संस्थान को वर्षों से स्थापित मजबूत आधारों पर निर्माण करते हुए सफलता के नए आयामों की ओर प्रवृत करेंगे, ।

